आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

उत्तराखंड में लागू होगा गुजरात का .. 8

वर्ष : 14 अंक : 309 | देहरादून,शुक्रवार 11 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

मुख्यमंत्री धामी ने किया अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा, दिए त्वरित सहायता के निर्देश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज गुरुवार को देहरादून के रायपुर क्षेत्र में अतिवृष्टि से प्रभावित इलाकों का गहन दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों से सीधी मुलाकात कर उनकी समस्याओं को न केवल सुना, बल्कि उनके त्वरित समाधान का भी आश्वासन दिया, जिससे स्थानीय लोगों में राहत की उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री धामी ने किरसाली चौक, आई.टी पार्क, ननूरखेड़ा, आमवाला, तपोवन और शांति विहार जैसे प्रमुख प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और जलभराव तथा अन्य समस्याओं से जूझ रहे नागरिकों की व्यथा सुनी। इस मौके पर उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को कड़े निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को हर संभव मदद तत्काल उपलब्ध कराई जाए। जलभराव की गंभीर समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने नालियों की नियमित सफाई और ड्रेनेज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतते हुए चेतावनी बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

आपदा की स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने स्थानीय पुलिस बलों और सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए और प्रभावित लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए रिस्पॉन्स समय को कम से कम रखते हुए हर संभव प्रयास किए जाएं। उनका यह निर्देश आपदा प्रबंधन के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्री विनय रुहेला, विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के इस जमीनी दौरे से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है, साथ ही सरकार की संवेदनशीलता का भी संदेश गया है।

राज्यपाल से फोटोग्राफर भूमेश भारती ने मुलाकात कर 'एरियल विस्टास ऑफ उत्तराखण्ड' कॉफी टेबल बुक की भेंट

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन देहरादून में फोटोग्राफर भूमेश भारती ने शिष्टाचार मुलाकात कर अपनी नवीनतम कॉफी टेबल बुक 'एरियल विस्टास ऑफ उत्तराखण्ड' भेंट की। इस संकलन में भारती द्वारा हवाई यात्रा के दौरान लिए गए उत्तराखण्ड के प्रमुख स्थलों के एरियल फोटोग्राफ्स को प्रस्तुत किया गया है, जो राज्य की प्राकृतिक सुन्दरता और भौगोलिक विविधता को अत्यंत आकर्षक रूप में दर्शाते हैं।

राज्यपाल ने कॉफी टेबल बुक का अवलोकन करते हुए भारती के समर्पण एवं तकनीकी दक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारती द्वारा खींचे गए ये छायाचित्र उत्तराखण्ड की आत्मा को छूने वाले हैं। यह पुस्तक न केवल हमारे प्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य का परिचायक है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरणीय समृद्धि का जीवंत उदाहरण भी है।

रुद्रपुर में 1 लाख करोड़ की निवेश ग्राउंडिंग सेरेमनी की तैयारियाँ तेज, अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को रुद्रपुर में प्रस्तावित 1 लाख करोड़ की ग्राउंडिंग सेरेमनी के सफल आयोजन के लिए समयबद्ध तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि यह कार्यक्रम भव्य और प्रभावशाली होना चाहिए, जिससे राज्य की औद्योगिक प्रगति को एक नई गति और पहचान मिल सके।

मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह आयोजन राज्य के औद्योगिक भविष्य को एक नई दिशा देगा और उत्तराखंड के युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर सृजित करेगा।

यह उल्लेखनीय है कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान राज्य सरकार को कुल 3.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से 1 लाख करोड़ की ग्राउंडिंग अब तक हो चुकी है। यह आंकड़ा उत्तराखंड के औद्योगिक विकास के प्रति निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन देगा और राज्य की आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पूरी सजगता और समन्वय के साथ सुनिश्चित की जाएं, ताकि देश और दुनिया के सामने राज्य की सकारात्मक छवि और निवेश-अनुकूल वातावरण को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जा सके। बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक श्री ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव श्री बंशीधर तिवारी और प्रबंध निदेशक उद्योग श्री सौरभ गहरवार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लाखों स्मैक के साथ बरेली का स्मैक तस्कर दून में गिरफ्तार

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । उत्तराखंड एसटीएफ और रायपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बरेली के स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी तस्कर से 102 ग्राम समैक (हेरोइन) बरामद की गई। जिसकी कीमत तीस लाख रुपये होने का दावा किया गया है। दून में स्मैक की डिलीवरी तोहिद नाम के व्यक्ति को होनी थी। आरोपी से उसका नंबर पुलिस को मिला। तोहिद की तलाश शुरू कर दी गई है। एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बरेली के स्मैक तस्कर के दून में स्मैक की डिलीवरी लेकर आने की सूचना मिली। आरोपी का बुधवार देर शाम सहस्त्रधारा रोड इलाके में होने का पता लगा। रायपुर थाना पुलिस को साथ लेकर टीम बनाई गई। टीम ने सहस्त्रधारा रोड पेरिस विहार जाने वाली गली के पास खाली प्लाट से धीरेंद्र कुमार उम्र 46 वर्ष निवासी गंगोत्री विहार, निकट क्लासिक अपार्टमेंट मूल निवासी राजीव नगर नकटिया थाना कैंट बरेली को गिरफ्तार को गिरफ्तार किया। उसके पास मिले बैग से स्मैक बरामद हुई। आरोपी को रायपुर थाने ले जाकर उसके खिलाफ मयूर विहार चौकी इंचार्ज राजीव धारीवाल की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया और पूछताछ की गई।

सम्पादकीय

दुनियां भर में

मिडिल एज ग्रुप की महिलाओं में तनाव और अकेलापन इधर तेजी से बढ़ रहा है। इस वजह से उनमें भूलने की बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अवसाद और तनाव से जुड़े हॉर्मोन इंसान के शरीर पर सीधा प्रभाव डालते हैं। इससे न सिर्फ ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर में बढ़ोत्तरी हो जाती है बल्कि दिमाग पर भी तेज असर होता है। पिछले दिनों स्वीडन की 800 महिलाओं पर किए गए एक शोध प्रयोग से यह नतीजा सामने आया है। इस प्रयोग का नेतृत्व करने वाली डॉ. लीना जॉनसन और उनके सहयोगी डाक्टरों का कहना है कि ये समस्याएं ज्यादातर ऐसी महिलाओं में देखी जा रही हैं जो तलाक के बाद अकेली रह गई हैं, या अपने पार्टनर की मौत के बाद उसके अलगाव को सहन नहीं कर पा रहीं, लंबे वक्त से बेरोजगार हैं या फिर किसी बड़े हादसे से गुजर चुकी हैं। तनहाई का यह दौर महज स्वीडन की महिलाओं को घेर रहा हो, ऐसा नहीं है। भारत में भी ऐसी महिलाओं की तादाद इधर बढ़ रही है जो किसी न किसी कारण अकेलेपन की शिकार हैं। अच्छी नौकरी की तलाश में वे अब अपना पारिवारिक जीवन देर से शुरू करना चाहती हैं। ऐसे में गलती से उनका पेयर ठीक न बन पाए और तलाक की नौबत आ जाए तो फिर उनका साथ देने के लिए कोई खड़ा नहीं होता। ऐसे में मन की मुश्किलें उन्हें नई शुरुआत करने से भी रोक देती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लाइफ स्टाइल में जरूरी बदलाव करके इन समस्याओं से इससे छुटकारा पाया सकता है। स्मृति भ्रंश पर काम कर रहे दुनिया भर के विशेषज्ञ कहते हैं कि भूलने का रिश्ता सिर्फ तनाव से नहीं है। इसके कुछ और कारण भी हो सकते हैं। जैसे- उम्र, जेनेटिक्स और परिवेश। भूलने की बीमारी से बाहर निकलने के लिए स्मोकिंग से बचना और संतुलित आहार की आदत डालना काफी उपयोगी है। हमारे देश में चालीस पार की महिलाओं का पारिवारिक माहौल अच्छा बना रहता है तो उनका जीवन पहले की अपेक्षा अधिक सुखद हो जाता है। वे खुद को न सिर्फ किसी न किसी काम में व्यस्त पाती हैं, बल्कि परिवार को जोड़े रखने वाली शक्ति भी बन जाती हैं।

ट्रंप की वापसी और व्यापार युद्ध की वैश्विक आग: दुनिया के लिए चेतावनी की घंटी

- डॉ सत्यवान सौरभ

डोनाल्ड ट्रंप की संभावित वापसी के साथ वैश्विक व्यापार युद्ध का खतरा फिर गहराने लगा है। उन्होंने विभिन्न देशों को शुल्क बढ़ोतरी की चेतावनी देते हुए पत्र भेजे हैं। इससे भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता बढ़ सकती है। भारत को आत्मनिर्भर बनते हुए, नए साझेदारियों पर ध्यान देना चाहिए और विश्व मंचों पर व्यापार नीति में संतुलन की वकालत करनी चाहिए। व्यापार को सहयोग का माध्यम बनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, युद्ध और महंगाई जैसे संकटों से जूझ रही है, ऐसे में एक बार फिर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वापसी की संभावनाओं के साथ वैश्विक व्यापार युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। हाल ही में ट्रंप द्वारा कई देशों को भेजे गए पत्रों और उनकी सख्त व्यापार नीति के बयान इस बात का संकेत हैं कि यदि वे फिर से सत्ता में आते हैं, तो %अमेरिका सर्वप्रथम% की नीति के तहत विश्व व्यापार व्यवस्था को झकझोर देने में वे पीछे नहीं हटेंगे। यह केवल अमेरिकी चुनावी राजनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच है जो पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता, व्यापारिक समझौतों और राजनयिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ही यह स्पष्ट कर दिया था कि वे व्यापार को कोई कूटनीतिक माध्यम नहीं, बल्कि दबाव बनाने का साधन मानते हैं। चीन, मैक्सिको, यूरोपीय संघ, भारत—किसी को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने आयात शुल्क को हथियार बनाकर अपने हित साधे और जबरदस्ती शर्तें मनवाईं। अब एक बार फिर, ट्रंप ने अपने बयानों में यह चेताया है कि यदि अन्य देश अमेरिका के साथ 'उचित' व्यापार समझौते नहीं करते, तो उन्हें भारी शुल्क देना होगा। उनके हालिया पत्रों में स्पष्ट रूप से 10 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की चेतावनी दी गई है। यह सिर्फ धमकी नहीं, बल्कि एक रणनीति है जो वैश्विक व्यापार सहयोग को प्रतिस्पर्धा और भय में बदल देती है।

भारत को ट्रंप की इन नीतियों से दोहरे परिणाम मिल सकते हैं। एक ओर, अमेरिका चीन से दूरी बनाकर भारत जैसे देशों की ओर रुख कर सकता है, जिससे भारत को व्यापारिक अवसर मिल सकते हैं। दूसरी ओर, ट्रंप की 'कड़ी शर्तों वाली' व्यापार नीति भारत को अमेरिकी दबाव में ला सकती है। भारत पहले भी ट्रंप प्रशासन के दौरान कुछ उत्पादों पर शुल्क बढ़ोतरी का शिकार बन चुका है — जैसे इस्पात और एल्यूमिनियम। यदि ट्रंप फिर सत्ता में लौटते हैं, तो यह दबाव और अधिक हो सकता है। विशेष रूप से औषधि उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं, और वस्त्र उद्योग जैसे क्षेत्रों में भारत को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापार युद्ध किसी एक देश की समस्या नहीं होती — यह पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। जब अमेरिका शुल्क बढ़ाता है, तो बदले में अन्य देश भी प्रत्युत्तर में शुल्क लगाते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति तंत्र टूटता है, महंगाई बढ़ती है, और आर्थिक मंदी का खतरा मंडराता है। 2018-19 के दौरान ट्रंप और चीन के बीच चले व्यापार युद्ध से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता आई थी। विश्व व्यापार संगठन को भी झटका लगा था, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की वृद्धि दर में गिरावट देखी गई थी। वही स्थिति अब फिर से उत्पन्न हो सकती है।

ट्रंप के पत्रों में स्पष्ट रूप से लिखा है — "या तो आप व्यापार समझौता करें, या 60 प्रतिशत शुल्क भरें।" यह भाषा किसी सभ्य कूटनीतिक वार्ता की नहीं, बल्कि व्यापारिक दबाव की है। वे अमेरिका को 'व्यापार का सर्वश्रेष्ठ केंद्र' समझते हैं और अन्य देशों को केवल ग्राहक। उनकी यह शैली 'राजनयिक आतंकवाद' जैसी प्रतीत होती है — जहां व्यापार एक हथियार है, और विरोध का अर्थ है दंड। यह नीति न केवल व्यापारिक संतुलन को प्रभावित करती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी तनावपूर्ण बना सकती है। उनके दृष्टिकोण में दीर्घकालिक सहयोग के लिए कोई स्थान नहीं है, केवल तात्कालिक लाभ सर्वोपरि है।

ट्रंप ने उच्च तकनीक उद्योगों और सेमीचालक निर्माण क्षेत्र को भी निशाना बनाया है। वे चाहते हैं कि अमेरिका के बाहर बनने वाले उन्नत तकनीकी उत्पादों पर भारी शुल्क लगाया जाए, ताकि कंपनियाँ अमेरिका में उत्पादन करें। इससे भारत की सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियों को भी झटका लग सकता है, जो अमेरिकी तकनीकी कंपनियों को सेवाएं देती हैं। यदि ट्रंप ने कामकाजी वीज़ा नीति को फिर से कठोर किया, तो भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों को अमेरिका में नौकरी पाने में कठिनाइयाँ होंगी।

ट्रंप का 'अमेरिका सर्वप्रथम' नारा वैश्वीकरण की भावना के विपरीत है। यह राष्ट्रवाद को व्यापार के केंद्र में रखता है और सहयोग की बजाय प्रतियोगिता को महत्व देता है। लेकिन आज की अंतरसंबंधित विश्व अर्थव्यवस्था में कोई देश अकेले आगे नहीं बढ़ सकता। आज की दुनिया साझेदारी आधारित विकास की मांग करती है — जहां तकनीक, व्यापार और नवाचार एक साथ चलते हैं। ट्रंप की नीति इस ताने-बाने को तोड़ सकती है। ट्रंप की इस नीति से अमेरिका और अन्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है। चीन और रूस पहले से अमेरिका से दूरी बनाए हुए हैं। अब यदि ट्रंप दक्षिण एशियाई और यूरोपीय देशों पर भी इसी प्रकार दबाव डालते हैं, तो एक नया राजनयिक विभाजन देखने को मिल सकता है। यह व्यापार युद्ध धीरे-धीरे एक नया वैश्विक ध्रुवीकरण बन सकता है — जहां देश अलग-अलग समूहों में बंट जाएंगे।

भारत को चाहिए कि वह इस व्यापार युद्ध की स्थिति में न तो अमेरिका पर पूरी तरह निर्भर हो, और न ही चीन या रूस की ओर झुके। उसे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को सशक्त बनाते हुए यूरोप, अफ्रीका, और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ वैकल्पिक व्यापारिक संबंध मजबूत करने चाहिए। साथ ही, भारत को विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ट्रंप की व्यापार नीति का तर्कसंगत विरोध भी करना चाहिए।

अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों का सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ता है। इससे भारत के उत्पाद महंगे हो जाते हैं और उनकी प्रतिस्पर्धा घटती है। भारतीय कंपनियों का मुनाफा कम होता है, जिससे उत्पादन घटता है और नौकरियाँ जाती हैं। वहीं अमेरिका में भी उपभोक्ताओं को वही वस्तुएं अधिक मूल्य पर खरीदनी पड़ती हैं। इस प्रकार यह स्थिति दोनों देशों की आम जनता के लिए घातक होती है। व्यापार युद्ध से केवल उद्योगपति नहीं, बल्कि श्रमिक, किसान, लघु उद्यमी और उपभोक्ता सभी प्रभावित होते हैं।

ट्रंप की वापसी और व्यापार युद्ध की धमकी को भारत और विश्व को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह केवल एक व्यक्ति की नीति नहीं, बल्कि एक ऐसी विचारधारा है जो पूरी वैश्विक व्यापारिक संरचना को चुनौती देती है। भारत को दूरदर्शिता से काम लेते हुए, वैकल्पिक साझेदारियाँ, आत्मनिर्भर आर्थिक ढांचा और वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी के द्वारा इस संकट का समाधान खोजना होगा।

यदि व्यापार को युद्ध में बदल दिया गया, तो कोई भी राष्ट्र विजेता नहीं बनेगा — केवल दुनिया हारेगी।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

आर्यम गुरु पूर्णिमा 2025 महोत्सव संपन्न

सहस्त्र कमल पुष्पों से हुआ दिव्य वैदिक पुष्पार्चन मंत्रोच्चार से गूंजा नोएडा
(44 को नव दीक्षा, 64 को मंत्र दीक्षा, 180 को शक्तिपात)

इंडिया वार्ता ब्यूरो

नोएडा (उत्तर प्रदेश)। नोएडा में अवस्थित फार्च्यून इन ग्राज़िआ सभागार में आर्यम इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आर्यम गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2025 संपन्न हुआ। इस अवसर पर देश विदेश से 325 श्रद्धालु इस समारोह में सम्मिलित हुए। सम्पूर्ण कार्यक्रम गुरुदेव श्री आर्यम के सानिध्य में हुआ। गुरु पूर्णिमा की शुभ वेला पर पधारे भक्तों में 44 को नव दीक्षा, 64 को मंत्र दीक्षा एवं 180 को शक्तिपात दीक्षा परमपूज्य जगद्गुरु प्रोफ़ेसर पुष्पेंद्र कुमार आर्यम जी महाराज द्वारा प्रदान किया गया।

पूज्य गुरुदेव आर्यम जी महाराज के अनुसार

भगवान विष्णु त्रिमूर्ति में पालनकर्ता के रूप में स्थापित हैं। वहीं हैं जिनके कारण यह धरा सुरक्षित, जीवन संतुलित एवं धर्म जीवित रहता है। गुरु भी शिष्यों के जीवन में यही कार्य करते हैं। मानव जाति को धर्म से जोड़े रखना, दोषयुक्त प्रवृत्तियों से दूर रखना, एवं उन्हें भौतिक और अधिभौतिक जगत में बलिष्ठ बनाना। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का वो है पर्व है जो प्राचीन काल से चली आई गुरु-शिष्य परंपरा को उत्सवधर्मिता के साथ स्थापित करता है।आज आर्यम महोत्सव के पहले सत्र में एक हज़ार कमल के पुष्पों एवं अन्य पुष्पों से विष्णु सहस्त्रनाम से पुष्पार्चन किया गया।

गुरुदेव श्री आर्यम का कथन है कि गुरु वो है जो गुर यानी गुण देता हो। अध्यापक, आचार्यों, और शिक्षकों के इतर गुरु वो होते हैं जो किसी एक विषय पर नहीं बल्कि समग्रता के साथ सभी ज्ञात और अज्ञात विषयों की सैद्धांतिक और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं। आज ही के दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था जिन्होंने वेदों का संकलन और महाभारत की रचना की थी। श्री आर्यम गुरुदेव ने सभी शिष्यों को बतलाया कि गुरु अपने शिक्षा में पक्षपात नहीं करता है। इसके बावजूद कोई अर्जुन होता है तो कोई दुर्योधन। हमारी अभिरुचियाँ और अभिवृत्तियाँ ही हैं जो ये तय करती हैं कि हम किन गुणों का संचय और किन दोषों को तिरोहित करते हैं। जहाँ शिक्षा आपको सीमित रखती है वहीं दीक्षा आपको असीम छूने के काबिल बनाती है। इसी के चलते उन्होंनें जीवन में शिक्षा के साथ दीक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

आर्यम महोत्सव के दूसरे सत्र दीक्षा उत्सव में देश-विदेश से पधारे शिष्यों में 44 को नव दीक्षा, 64 को मंत्र दीक्षा एवं 180 को शक्तिपात दीक्षित होना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आर्यम गुरुदेव अकेले ऐसे गुरु हैं जिन्होंने हिंदू वैदिक मूल्यों को परिवर्तित एवं संशोधित कर दीक्षा के लिए मयूरपंखी नीले रंग का चयन किया है। इस तथ्य को स्पष्ट करते हुए गुरुदेव ने कहा कि उनसे पूर्ववर्ती गुरुओं जिनमें अंगिरा ऋषि, गुरु गोरखनाथ, एवं दशमेश गुरु गोबिंद सिंह द्वारा यही रंग चयन किया गया था। यह मनुष्य जीवन में सप्त चक्रों में से एक सर्वाधिक सहस्त्र का प्रतिनिधित्व करता है। जिसके जागृत होने से मनुष्य जीवन में आध्यात्म एवं धार्मिक मूल्यों का श्रेष्ठ गुणों के साथ नए आयाम स्थापित होते हैं। ट्रस्ट की अधिशासी प्रवक्ता माँ यामिनी श्री ने बताया की आर्यम जी महाराज के विश्व भर में सर्वाधिक दीक्षित शिष्य हैं। जहाँ लोग औसत और साधारण को चुनते हैं वहीं आर्यम जी महाराज श्रेष्ठ को चुनने की शिक्षा देते हैं। वैदिक अग्निहोत्र, पुष्पार्चन, एवं विधिवत पाठों का प्रचार आर्यम गुरुदेव के प्रकल्प से ही संभव हो सका है। गुरुदेव द्वारा रचित 'सत्य सनातन अमर रहे' नारे की गूँज विदेश तक जाती है जब उनके शिष्य अपनी जीवन शैली में अग्निहोत्र और वैदिक प्रार्थनाओं को शामिल करते हैं। ज्ञातव्य हो कि आज गुरुदेव आर्यम की शिक्षाओं से एवं समाज उद्धारक प्रकल्पों की सहायता से लाखों लोगों का जीवन रूपांतरित हो रहा है। आज के समारोह के आयोजन में राकेश रघुवंशी,संध्या,सुनील आर्य, प्रीतेश आर्यम, हर्षिता आर्यम,श्वेता जायसवाल, शालिनी अरोड़ा, गौरव स्वामी , चंद्रपाल शर्मा, रोहित वेदवान, प्रदीप यादव आदि का सहयोग रहा ।

स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने पहुंचा ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 7 से 11 जुलाई तक भारत दौरे पर है। यह प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया की 22 अग्रणी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है और ऊर्जा भंडारण तकनीक, ऊर्जा प्रबंधन के लिए एआई समाधान, सौर ऊर्जा तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा मॉडलिंग और मौसम पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में अपने नवीनतम नवाचारों को भारत में प्रस्तुत कर रहा है। इसके साथ ही शिक्षा, क्षमता निर्माण और परामर्श सेवाओं के क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमीशन (ऑस्ट्रेड) कर रहा है, जिसे न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया राज्य सरकारों का सहयोग प्राप्त है। साथ ही, क्वींसलैंड, साउथ ऑस्ट्रेलिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की राज्य सरकारें भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

यह प्रतिनिधिमंडल 8 से 10 जुलाई 2025 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक के 11वें संस्करण में भाग ले रहा है, जहां ऑस्ट्रेलिया 'कंट्री पार्टनर' के रूप में शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरु भी जाएगा, जहां वह प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा संगठनों के साथ साइट विजिट करेगा और साझेदारी के नए अवसरों की तलाश करेगा। ऑस्ट्रेलिया के पास भरपूर और उच्च गुणवत्ता वाली नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता है। यहां कुशल कार्यबल, नवाचारी अनुसंधान एवं विकास, मजबूत कारोबारी संबंध, स्थिर निवेश माहौल और खनिज संसाधनों का बड़ा भंडार मौजूद है।

दुनिया भर में ऑस्ट्रेलिया को एक भरोसेमंद और विश्वसनीय ऊर्जा साझेदार के रूप में देखा जाता है। 'फ्यूचर मेड इन ऑस्ट्रेलिया' पहल के तहत, ऑस्ट्रेलियाई सरकार देश को रिन्यूएबल एनर्जी सुपरपावर बनाने की दिशा में लगातार निवेश कर रही है। साथ ही, भारत-ऑस्ट्रेलिया के नए आर्थिक रोडमैप में स्वच्छ ऊर्जा को दोनों देशों के बीच विकास का सुपरहाईवे बताया गया है। यह हमारे लिए एक शानदार अवसर है जहां हम ऑस्ट्रेलिया की अग्रणी क्लीन एनर्जी क्षमताएं प्रस्तुत कर सकते हैं और भारत के नेट जीरो लक्ष्यों की दिशा में भारतीय कारोबारों को ठोस समाधान दे सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता और आर्थिक भागीदारी का नया रोडमैप, ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों के लिए नए अवसर खोल रहा है। भारत में ऑस्ट्रेड की टीम इन अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए दोनों देशों के बीच क्लीन एनर्जी सेक्टर में कारोबारी संबंधों को मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उत्तराखंड को जल्द मिलने जा रहा नया प्रमुख वन संरक्षक, कल होगी डीपीसी

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । उत्तराखंड वन विभाग को अब जल्द ही नया मुखिया मिलने जा रहा है। दरअसल केंद्र से तमाम औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उत्तराखंड शासन में इसके लिए डीपीसी होने जा रही है। जिसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश में प्रमुख वन संरक्षक हॉफ पद पर ताजपोसी की तैयारी पूरी हो चुकी है। विभाग को अब 17वां वन मुखिया मिलने जा रहा है। इसके लिए शासन में शुक्रवार को डीपीसी आहूत की गई है। जिसमें नए प्रमुख वन संरक्षक हॉफ का नाम तय कर दिया जाएगा। शासन की तरफ से भी डीपीसी की बैठक के लिए तैयारी पूरी कर ली गई हैं। डीपीसी की बैठक मुख्य सचिव आनंद वर्धन की अध्यक्षता में होगी। जिसमें प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु, सचिव कार्मिक शैलेश बगौली और डीपीसी के लिए भारत सरकार द्वारा नामित किए गए अधिकारी होंगे। खबर है कि भारत सरकार ने प्रमुख वन संरक्षक हॉफ पद पर प्रमोशन के लिए उत्तर प्रदेश वन विभाग के हॉफ को नामित किया है। इससे पहले उत्तराखंड शासन की तरफ से डीपीसी को लेकर भारत सरकार के साथ पत्राचार से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा किया था। जिसके बाद अब इस बैठक को आहूत किया जा रहा है। केंद्र सरकार की अनुमति के बाद अब प्रदेश में नए हॉफ के चयन का रास्ता साफ हुआ है। उत्तराखंड में अब तक वरिष्ठता के आधार पर ही प्रमुख वन संरक्षक हॉफ का चयन होता रहा है। इस लिहाज से उत्तराखंड वन विभाग में सबसे वरिष्ठ अधिकारी समीर सिन्हा को ही यह जिम्मेदारी मिलने जा रही है। फिलहाल समीर सिन्हा इस पद पर अतिरिक्त चार्ज के रूप में काम कर रहे हैं। डीपीसी होने के बाद वह इस जिम्मेदारी को फुल फ्लैश संभालेंगे। उत्तराखंड में प्रमुख वन संरक्षक हॉफ रहे धनंजय मोहन की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद यह पद खाली हुआ था। समीर सिन्हा 17 वें प्रमुख वन संरक्षक हॉफ होंगे। इस संख्या में राजीव भरतरी और विनोद सिंघल के दो बार हॉफ बनने का आंकड़ा भी शामिल है।

निमिषा प्रिया की फांसी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली,एंजेंसी। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को यमन में केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया है. नर्स निमिषा को 16 जुलाई को फांसी दी जानी है.

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष एक वरिष्ठ वकील ने तत्काल सुनवाई के लिए याचिका दायर की. यह याचिका सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल द्वारा दायर की गई है. वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि शरीयत कानून के मुताबिक, यदि पीड़ित के रिश्तेदार रक्तदान स्वीकार करने के लिए सहमत हों, तो किसी व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है. और इस विकल्प पर विचार करने के लिए बातचीत की जा सकती है.

वकील ने बताया कि प्रिया की फांसी 16 जुलाई को तय है. और पीठ से मामले की सुनवाई गुरुवार को करने का आग्रह किया. संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने मामले की आज 10 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की.

गौर करें तो निमिषा प्रिया को वर्ष 2017 में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी. आरोप है कि उसने मृतक के पास मौजूद पासपोर्ट वापस पाने के लिए उसे बेहोशी का इंजेक्शन लगाया था.

याचिका में केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह याचिकाकर्ता को देश के कानून के मुताबिक पीड़ित के परिवार को शीघ्रता से रक्तदान (दीया) का भुगतान करने में मदद करके उसकी जान बचाने के लिए प्रभावी राजनयिक हस्तक्षेप की सुविधा मुहैया करे.

याचिका में कहा गया है, केवल प्रतिवादी ही प्रभावी राजनयिक वार्ता के साथ-साथ पीड़ित के परिवार, जो यमन गणराज्य के नागरिक और निवासी हैं, से क्षमादान प्राप्त करने के लिए बातचीत की सुविधा प्रदान कर सकते हैं.

निमिषा प्रिया को फांसी बचाने के लिए प्रतिवादी भारतीय अधिकारियों का सशक्त और शीघ्र हस्तक्षेप अत्यंत जरूरी है, क्योंकि फांसी की संभावित तिथि (16 जुलाई 2025) पहले ही तय हो चुकी है. ऐसे में यमन की वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए भी ये जरूरी है.

याचिका में तर्क दिया गया है कि अब निमिषा के लिए फांसी से बचने का एकमात्र रास्ता देश के कानून (शरिया कानून) के मुताबिक पीड़िता के परिवार को रक्तदान (दीया) देकर मृतक के परिवार से क्षमादान प्राप्त करना है.

याचिका में कहा गया है, प्रतिवादियों की निष्क्रियता, इस हद तक कि निमिषा प्रिया की ओर से देश के कानून के अनुसार रक्तदान देकर उसकी जान बचाने के लिए पीड़ित के परिवार के साथ राजनयिक हस्तक्षेप और बातचीत शुरू न करना, न केवल संविधान का उल्लंघन है, बल्कि अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का हनन और अतिक्रमण भी करता है.

याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता पीड़ित के परिवार द्वारा रक्तदान की राशि तय होने पर उसे बढ़ाने के लिए तैयार है और प्रतिवादियों से किसी भी वित्तीय सहायता की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि केवल पीड़ित के परिवार के साथ बातचीत को सुगम बनाने के लिए गंभीर राजनयिक हस्तक्षेप की प्रार्थना कर रहा है.

कर्नाटक : विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी पर ईडी का शिकंजा, बेंगलुरु में 5 ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरु,एंजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक के विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ विदेशी संपत्तियों को कथित तौर पर छुपाने को लेकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (एफईएमए) की धारा 37 के तहत ईडी ने बेंगलुरु के 5 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की।

विधायक सुब्बा रेड्डी के आवास, उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठान और करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी तलाशी अभियान चला रही है। यह छापेमारी कथित तौर पर उनके और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा विदेशों में अघोषित संपत्ति रखने और अवैध निवेश के आरोपों के आधार पर की जा रही है।

ईडी के मुताबिक, एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों पर विदेशी खातों में भारी राशि जमा कराने समेत मलेशिया, हांगकांग और जर्मनी में अचल संपत्तियों में निवेश करने के आरोप हैं। कथित तौर पर इन संपत्तियों और निवेशों को भारतीय अधिकारियों से छुपाया गया, जो फेमा कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। ईडी उनकी अवैध विदेशी संपत्ति की जांच कर रही है।

कर्नाटक के अलावा, हरियाणा में भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। ईडी ने हरियाणा में प्रोबो ऐप संचालित करने वाली कंपनी पर शिकंजा कसते हुए 284 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज कर दी है। गुरुग्राम और जिंद में ईडी ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और इसके प्रमोटर्स सचिन सुभाषचंद्र गुप्ता और आशीष गर्ग के ठिकानों पर छापेमारी की। पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की गई।

ईडी की जांच का मुख्य उद्देश्य कंपनी की ऐप और वेबसाइट प्रोबो के माध्यम से पूरे भारत में चल रही अवैध सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। बता दें कि प्रोबो ऐप और वेबसाइट को ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह लोगों को %हां या ना' जैसे सवालों पर पैसे लगाने के लिए प्रेरित करता है, जो जुए और सट्टेबाजी का एक रूप है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें साधारण सवालों के जवाब देकर पैसे कमाने का प्रलोभन दिया गया, लेकिन यह वास्तव में एक सट्टेबाजी योजना थी। इस स्कीम में लोग अधिक मुनाफे की उम्मीद में बार-बार पैसे लगाते रहे और अंततः अपनी रकम गंवा बैठे।

तेज बारिश का कहर : दिल्ली-एनसीआर, एमपी और महाराष्ट्र में बाढ़ जैसे हालात, कई मौतें

नईदिल्ली,एंजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को तेज बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार को खराब मौसम के कारण 6 फ्लाइटों को डायवर्ट करना पड़ा, जिनमें से 4 जयपुर और 2 लखनऊ भेजी गईं। कुछ उड़ानों के मार्ग बदले गए, जबकि कई में देरी दर्ज की गई। बारिश के चलते दिल्ली की कई सड़कों पर जलभराव हो गया, जिससे घंटों तक ट्रैफिक जाम लगा रहा। गुरुग्राम की हालत सबसे खराब रही, जहां सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए। कई जगह गाड़ियां पानी में फंसी रहीं और राहगीरों की कमर तक पानी पहुंच गया। गुरुग्राम में बुधवार शाम 90 मिनट के भीतर 103 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बीते 12 घंटे में यह आंकड़ा 133 मिमी तक पहुंच गया। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर सभी कॉर्पोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों से वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था लागू करने को कहा है।

पांच देशों की सफल यात्रा के बाद दिल्ली लौटे पीएम मोदी

नईदिल्ली,एंजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा के बाद गुरुवार को भारत लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम मोदी की यह यात्रा सफल रही है।

पीएम मोदी ने पांच देशों की अपनी यात्रा में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने अब तक 17 विदेशी संसदों में भाषण दिए, जो कांग्रेस के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कुल रिकॉर्ड के बराबर है।

उन्होंने यह उपलब्धि जुलाई 2025 के पहले सप्ताह में घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में दिए हाल ही के भाषणों के साथ हासिल की है।

इस वैश्विक सक्रियता से पता चलता है कि पीएम मोदी भारत के सबसे सक्रिय नेताओं में से एक हैं।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्रियों ने कई दशकों में यह उपलब्धि हासिल की थी, जिनमें मनमोहन सिंह ने सात बार, इंदिरा गांधी ने चार बार, जवाहरलाल नेहरू ने तीन, राजीव गांधी ने दो और पी.वी. नरसिम्हा राव ने एक बार भाषण दिया था।

पीएम मोदी ने सिर्फ एक दशक से अधिक समय में यह संख्या हासिल कर ली, जो भारत के कूटनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। उनकी हाल की यात्रा न केवल अफ्रीका और कैरिबियन देशों के साथ भारत के नए संबंधों को दर्शाती है, बल्कि ग्लोबल साउथ में भारत की आवाज की गूंज को भी उजागर करती है।

पीएम मोदी को घाना में ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित किया गया, जो 30 साल से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा थी।

इसके अलावा, ब्राजील ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस से नवाजा। पिछले शुक्रवार को पीएम मोदी को त्रिनिदाद एंड टोबैगो की दो दिवसीय यात्रा के दौरान द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो सम्मान से सम्मानित किया गया था। वे यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले विदेशी नेता बने हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विचिया मिराबिलिस से भी सम्मानित किया गया था। यह पीएम मोदी का 27वां वैश्विक सम्मान है, जो इस पांच देशों की यात्रा के दौरान मिला था।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो में उन्होंने भारतीयों के आगमन के 180 साल पूरे होने के उत्सव के दौरान संसद को संबोधित किया था। उन्होंने अपने संबोधन में विकासशील देशों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन का जिक्र किया था।

त्रिनिदाद एंड टोबैगो में वे 1968 में भारत द्वारा तोहफे में दी गई स्पीकर की कुर्सी के सामने खड़े थे, जिसे उन्होंने समय की कसौटी पर खरी उतरने वाली दोस्ती का प्रतीक बताया। नामीबिया की संसद ने उनसे लोकतांत्रिक मूल्यों, तकनीकी साझेदारी और स्वास्थ्य व डिजिटल बुनियादी ढांचे में साझा आकांक्षाओं के बारे में बात की थी। नामीबिया की संसद में जब उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला तो उस दौरान पार्लियामेंट रूम मोदी, मोदी के नारे से गूंज उठा था। यह ऐतिहासिक उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं है बल्कि यह वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में भारत के बढ़ते रसूख को दर्शाता है।

मुख्य सचिव ने ली औद्योगिक निवेश एवं विकास बोर्ड कार्यकारी समिति की बैठक

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में उत्तराखंड औद्योगिक निवेश एवं विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) की कार्यकारी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तराखंड नियोजन विभाग के अंतर्गत गठित यूआईआईडीबी द्वारा हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत हरिद्वार शहर के संपूर्ण डेवलपमेंट और 2027 में हरिद्वार कुंभ मेला की आवश्यकता से संबंधित विभिन्न प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

प्रस्तुतीकरण में हरिद्वार शहर का सुगम मोबिलिटी प्लान, सौंदर्यीकरण, सैनिटेशन, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, तीर्थ यात्री फ्रेंडली एक्सेस डेवलपमेंट, ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा, पब्लिक सुविधाओं का विकास, भीड़ प्रबंधन, कल्चरल हब डेवलपमेंट, पार्किंग, सती कुण्ड डेवलपमेंट, 10 जंक्शंस का ज्यामितीय इंप्रूवमेंट, मल्टी मॉडल टूरिज्म एक्टिविटी, सीसीटीवी कैमरा व पब्लिक ऐड्रेसिंग सिस्टम, तीर्थ यात्री फ्रेंडली सुविधाओं, चंडी देवी, मनसा, देवी, माया देवी व विलकेश्वर मंदिर से जुड़े डेवलपमेंट कार्यों पर आगामी 2027 के कुंभ मेला के दृष्टिगत व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मनसा देवी, चंडी देवी, माया देवी, दक्ष मंदिर, हर की पैड़ी, भारत माता मंदिर, दक्षिणेश्वर काली इत्यादि हरिद्वार के मुख्य धार्मिक केंद्रों का पेडेस्ट्रियन वे सर्किट प्लान बनाएं।

उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रियों का पैदल मार्ग ऐसा हो जिसमें उनको कहीं पर भी थोड़े समय के लिए भी रुकना ना पड़े (कोई भी अवरोध ना हो) तथा ऐसा पेडेस्ट्रियन मार्ग वन वे हो जिसमें सुरक्षा के भी सभी वैकल्पिक इंतजाम हो। उन्होंने मेलाधिकारी, स्थानीय प्रशासन, नगर निगम, संबंधित कंसल्टेंट एजेंसी और संबंधित स्टेकहोल्डर को आपसी समन्वय से 15 दिवस के भीतर इसका प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने मेला अधिकारी, पुलिस विभाग, स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हरकी पैड़ी का आरती पॉइंट सबसे अधिक भीड़ - भाड़ वाला स्थान रहता है तथा यहां पर क्राउड मैनेजमेंट करना सबसे बड़ी चुनौती भी रहती है। इसको दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्थित प्रवेश और निकासी का दुरुस्त प्लान बनाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि विभिन्न धार्मिक केंद्रों, पब्लिक सुविधाओं के विकास और अन्य डेवलपमेंट से संबंधित ऐसे कार्य जो राजाजी पार्क प्रशासन के क्षेत्र के निकट हैं अथवा आंशिक रूप से उनके क्षेत्र से संबंधित हों उन कार्यों के क्रियान्वयन के लिए राजाजी पार्क प्रशासन को कार्यदाई एजेंसी बनाया जाए ताकि डेवलपमेंट से जुड़े कार्य तेजी से पूरे हो सके। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सैनिटेशन, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा प्रबंधन को रखें उच्च प्राथमिकता में, मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि जो कार्य अधिक महत्वपूर्ण प्रकृति के हैं और शीघ्रता से पूरे किए जाने हैं उनको उच्च प्राथमिकता में रखें। उन्होंने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सैनिटेशन, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा के आपातकालीन उपाय इत्यादि कार्यों को उच्च प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए।

जहां जरूरी हो तो संबंधित स्थानीय निकाय, ट्रस्ट, गंगा सभा, स्थानीय प्रतिनिधि आदि हितधारकों को विश्वास में लेकर कार्य संपादित करें मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि विभिन्न कार्यों को संपादित करते समय इस बात का ध्यान रखें कि जहां पर स्थानीय लोकल बॉडी, प्रतिनिधि अथवा स्थानीय ट्रस्ट आदि का इन्वॉल्वमेंट जरूरी हो वहां पर उनके समन्वय से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और स्टेकहोल्डर को हरिद्वार के डेवलपमेंट के संबंध में संयुक्त रूप से संपूर्ण शहर का विजिट करने के निर्देश दिए और डेवलपमेंट प्लान में जहां पर कुछ और प्रावधान किए जाने की आवश्यकता हो तो उनको भी प्लान में शामिल करने हेतु प्रस्ताव बनाने को कहा। इस दौरान बैठक में प्रमुख सचिव एल एल फैनई व आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव नितेश कुमार झा, दिलीप जावलकर व डॉ पंकज कुमार पांडेय, विशेष सचिव अजय मिश्रा, कुंभ मेला अधिकारी हरिद्वार सोनिका सहित संबंधित अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

आज से कांवड़ यात्रा शुरू, रूट डायवर्जन प्लान जारी

रुद्रपुर (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। शुक्रवार यानि आज से श्रावण मास के साथ ही कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। ऊधमसिंह नगर जिले और आसपास के शहरों से हजारों श्रद्धालु कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार जाते हैं। पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। यात्रा के दौरान कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। रुद्रपुर क्षेत्र के लिए यह रहेगा ट्रैफिक प्लान - रुद्रपुर क्षेत्र में काशीपुर रोड, रामपुर रोड, बरेली और सितारगंज से आने वाले भारी वाहनों को दिनेशपुर, पंतनगर, नगला, टांडा मार्गों से होकर गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। हल्द्वानी, सिडकुल और पंतनगर की ओर जाने वाले सभी भारी वाहनों को नो एंट्री नियम का पालन करना होगा। इसके अलावा अतिरिक्त भीड़ बढ़ने की स्थिति में कई अन्य मार्गों से भी भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा। इसमें एसएच हॉस्पिटल (सितारगंज), पुलभट्टा, दरऊ चौक, लालपुर, रामपुर बॉर्डर, डिबडिबा मोड़, छत्तरपुर मोड़, सूर्या बॉर्डर, नादेही बॉर्डर आदि शामिल हैं। काशीपुर क्षेत्र के लिए ट्रैफिक प्लान - डाक कांवड़ यात्रियों के वाहन मानपुर रोड होते हुए स्टेडियम तिराहा, चीमा चौक, जसपुर खुर्द रोड, चैती चौराहा से होकर गंतव्य तक जाएंगे। वहीं सामान्य यातायात को बैलजुड़ी मोड़, मंडी चौकी, टांडा तिराहा होकर वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। कांवड़ यात्रा मार्ग स्टेडियम तिराहा से बैलजुड़ी मोड़ तक किसी भी अन्य वाहन के चलने पर रोक रहेगी। वहीं दूध, फल-सब्जी, गैस और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट दी गई है। कांवड़ यात्रा को लेकर रूट डायवर्जन प्लान बनाया गया है। यह प्लान कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। हमारा प्राथमिक उद्देश्य कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सुगम यातायात बनाए रखना है। सभी संबंधित थानों को निर्देशित किया गया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखें।
-निहारिका तोमर, एसपी ट्रैफिक

कृति खरबंदा का पिंक कटआउट ड्रेस में दिखा स्टनिंग अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा अपने फैशन सेंस और ग्रेसफुल स्टाइल के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह पिंक कटआउट ड्रेस में नज़र आ रही हैं. इस लुक में वह बेहद स्टनिंग लग रही हैं और फैंस के साथ-साथ उनके पति पुलकित सम्राट भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. कृति ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा - गुलाबी रंग में सुंदर महसूस कर रहा हूँ गुलाबी मेरा रंग है, नहीं? उनकी इस पिंक ड्रेस को घूमना ब्रांड से लिया गया है, जिसे नाइका फैशन के ज़रिए स्टाइल किया गया है. उनका मेकअप निशि सिंह और हेयरस्टाइल किम्बर्ली चू द्वारा किया गया है. इन फोटोज़ में कृति का कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है. खुले बाल, मिनिमल मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ उनका ये लुक बिल्कुल परफेक्ट लग रहा है. पोस्ट पर पुलकित सम्राट ने कमेंट करते हुए लिखा - स्लाइड 3= ट्रॉफी , जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है.

कृति इन दिनों नेटफ्लिक्स सीरीज़ राणा नायडू सीजन 2 में आलिया ओबेरॉय' के किरदार को लेकर चर्चा में हैं. इन फोटोज़ के साथ उन्होंने रानानायडू2, अलायाओबेरोई, और 13 जून जैसे हैशटैग्स का इस्तेमाल किया है जिससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि वह शो के प्रमोशन के लिए यह लुक लेकर आई थीं. कृति खरबंदा का यह अंदाज़ एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक फैशन आइकन भी हैं.

जांच में ग्राम पंचायत सदस्य के 94 आवेदन निरस्त

रुद्रप्रयाग । जनपद रुद्रप्रयाग में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तीनों विकासखंडों में तीन दिन चली नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी हो गई है। अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ और जखोली ब्लॉक में जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की विस्तृत जांच की गई। जिले की 18 जिला पंचायत सीटों पर कुल 96 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे, जिनमें से एक नामांकन पत्र को अमान्य घोषित किया गया जबकि शेष 95 नामांकन वैध पाए गए। ऊखीमठ ब्लॉक में ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए 297 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से 29 नामांकन निरस्त कर दिए गए। 268 नामांकन पत्र वैध घोषित हुए। इसी ब्लॉक में प्रधान पद के लिए 155 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जो सभी जांच में सही पाए गए। क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिए भी 79 नामांकन पत्र प्राप्त हुए, जो सभी वैध पाए गए। जखोली ब्लॉक में ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए कुल 350 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे, जिनमें से 22 नामांकन पत्रों को निरस्त किए गए। 328 नामांकन वैध पाए गए हैं। ग्राम प्रधान पद के लिए 291 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें से 2 को अमान्य घोषित हुए। जबकि 289 वैध पाए गए। क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के लिए 139 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिनमें से कोई भी निरस्त नहीं हुआ और सभी को वैध माना गया। अगस्त्यमुनि ब्लॉक में ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए 459 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिनमें से 43 नामांकन निरस्त किए गए जबकि 416 नामांकन वैध घोषित किए गए।

दिव्य ज्योति ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 'श्री गुरू पूर्णिमा' महोत्सव

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । जैसा कि विगत दिनों से बताया जा रहा था उसी के अनुरूप आज दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की देहरादून शाखा के द्वारा बड़ोंवाला के जानकी फार्म्स में 'देव दुर्लभ' श्री गुरू पूर्णिमा महोत्सव का कार्यक्रम हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। असंख्य भक्तजनों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारम्भ विशाल मंच पर आसीन दिव्य ज्योति वेद मंदिर के वेद पाठी युवाओं द्वारा वेदों की ऋचाओं के दिव्य गायन से हुआ। वेदपाठियों ने वातावरण को दिव्यता और पावनता से सराबोर कर दिया। तत्पश्चात गुरुदेव आशुतोष महाराज का पूजन-अर्चन किया गया। सभी भक्तों-साधकों के साथ देहरादून आश्रम की संयोजिका साध्वी विदुषी अरूणिमा भारती जी तथा विशेष रूप से कार्यक्रम हेतु दिल्ली से पधारीं साध्वी विदुषी शैलाषा भारती जी के साथ-साथ साध्वी जाह्नवी भारती एवं देहरादून आश्रम की अन्य साध्वियों द्वारा श्री गुरू पूजा में सम्मिलित होकर तथा श्री गुरूदेव की पादुकाओं को स्नान तथा उनका पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। पादुकाओं का विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। इसके बाद गुरू की महामंगल आरती की गई जिसमें समस्त भक्तजनों के द्वारा भाग लिया गया।

तदुपरांत! संस्थान के ब्रह्मज्ञानी संगीतज्ञों द्वारा गुरू की महिमा में तथा ईश्वर के गुणानुवाद में अनेक हृदयस्पर्शी भजनों का गायन करते हुए संगत को भाव-विभोर किया गया। साध्वी भक्तिप्रभा भारती जी ने तथा साध्वी स्मिता भारती जी ने संयुक्त रूप से मंच का संचालन करते हुए भजनों की सम्पूर्ण व्याख्या भी की। उन्होंने बताया मनुष्य जीवन की पूर्णता तभी जब पूर्ण गुरू का जीवन में पर्दापण हो जाए। गुरू द्वारा प्रदत्त पावन ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के उपरान्त ईश्वर दर्शन ही 'ध्यान' को जन्म देता है। अज्ञानता के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर लेकर जाने और शिष्य का परम कल्याण करने का कार्य पूर्ण गुरू किया करते हैं। मानव जीवन में पूर्ण गुरू की महान भूमिका इतनी बड़ी है कि जीव को चौरासी के चक्रों से मुक्ति प्रदान कर उसका आवागमन सदा के लिए समाप्त कर देती है।

कार्यक्रम में सदगुरू आशुतोष महाराज की शिष्या और संस्थान की प्रचारिका साध्वी विदुषी शैलाषा भारती जी ने प्रवचन करते हुए बताया कि शताब्दियों पूर्व, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को महर्षि वेद व्यास जी का अवतरण हुआ था। वही वेद व्यास जी, जिन्होंने वैदिक ऋचाओं का संकलन कर चार वेदों के रूप में वर्गीकरण किया था। 18 पुराणों, 18 उप-पुराणों, उपनिषदों, ब्रह्मसूत्र, महाभारत आदि अतुलनीय ग्रंथों को लेखनीबद्ध करने का श्रेय भी इन्हें ही जाता है। ऐसे महान गुरुदेव के ज्ञान सूर्य की रश्मियों में जिन शिष्यों ने स्नान किया, वे अपने गुरुदेव का पूजन किए बिना न रह सके। इसलिए शिष्यों ने उनके अवतरण के मंगलमय एवं पुण्यमयी दिवस को पूजन का दिन चुना। यही कारण है कि श्री गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। तब से लेकर आज तक हर शिष्य अपने गुरुदेव का पूजन-वंदन इसी शुभ दिवस पर करता है। प्राचीन काल में गुरु पूर्णिमा का दिन एक विशेष दिन के रूप में मनाया जाता था। इस दिन केवल उत्सव नहीं, महोत्सव होता था। कार्यक्रम में संस्थान के भक्त कलाकारों द्वारा मंचित नाटिका ने खूब समां बांधा। भक्त भरत का अपने प्रभु श्री राम की प्रतीक्षा में दर्शायी गई व्यग्रता और करूणा का मंचन दर्शकों को भीतर तक भिगो गया। मंच नाटिका ने भक्तजनों को इतना अभिभूत कर दिया कि वे अपने नैनों को भावनाओं के अतिरेक से मुक्त न रख सके और सिसकने लगे। वास्तव में ही यह एक अविस्मरणीय नाटिका रही जिसने आज के श्री गुरू पूर्णिमा कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सभी श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर आज के दिवस को सार्थक किया।

स्क्रीन एकेडमी का शुभारंभ, उभरते सितारों को तराशने का शानदार मंच

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । इंडियन एक्सप्रेस समूह और स्क्रीन ने एक अग्रणी गैर-लाभकारी पहल, स्क्रीन अकैडमी जो भारतीय सिनेमा के उभरती प्रतिभाओं की मदद करेगी और उन्हें अपनी कृतियों का प्रदर्शन करने का मौका देगी।

कान और ऑस्कर विजेता, गुनीत मोंगा, पायल कपाड़िया और रेसुल पूकुट्टी, और अनुभवी पटकथा लेखक, अंजुम राजाबली सहित विभिन्न किस्म के सदस्यों की रोमांचक और तेजी से बढ़ती सूची के साथ, यह अकैडमी भारत के शीर्ष फिल्म संस्थानों के साथ मिलकर, शिक्षा, प्रतिनिधित्व और मान्यता के जरिये फिल्म निर्माताओं की अगली पीढ़ी की पहचान करेगी और उन्हें मदद करेगी। लोढ़ा फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक, अभिषेक लोढ़ा के उदार सहयोग से स्थापित, स्क्रीन अकैडमी अपने फिल्म संस्थानों द्वारा नामांकित उन छात्रों को सालाना स्नातकोत्तर फेलोशिप प्रदान करेगी, जिनमें असाधारण कहानी कहने की क्षमता है, लेकिन औपचारिक फिल्म शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी है। (आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए स्क्रीनअकैदमी.ओआरजी पर लॉग इन करें)।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर आपदाग्रस्त बटोली गांव में डीएम की त्वरित पहुंच, ग्रामीणों को मिली तत्काल सहायता

-आपदा, कोई मुसीबत या किसी अनहोनी को सबसे पहले न्यून करना जिला प्रशासन का ही दायित्वः डीएम
-वर्षाकाल पूरे 3 महीने तक रास्ता दुरस्ती के लिए डीएम ने 24×7 तैनात करवायी मैनपावर मशीनरी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री के आपदा की घटनाओं पर त्वरित रिस्पांस हेतु सभी जिलाधिकारियों निर्देशित किया गया है। जिले के मिसराज पट्टी के बटोली गावं जिसका अतिवृष्टि कारण सड़क बह जाने से सम्पर्क टूट गया था पर तत्परता दिखाते हुए जिलाधिकारी सविन बसंल प्रथम पंक्ति में गावं पहुच स्थानियों निवासियों को हॉल जाना तथा प्रशासन ने मौके पर ही ग्रामवासियों हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। वहीं मौके पर ही ग्रामवासियों के मांग प्रस्तावों को मजूर किया। जिलाधिकारी ने भीषण पंगडंडी नापने हुए बटोली के अतिंम महिला, बजुर्ग बच्चों स्थानिकों की समस्या रूबरू हुए तथा निराकरण किया। वहीं जिला प्रशासन द्वारा अतिवृष्टि के कारण खाईयुक्त बने टीले में परिवर्तित शेरू खाला के रास्ते जिस पर रास्ता बनाने में महीनों का समय लगता जिला प्रशासन ने रातोरात रास्ता तैयार करते हुए गावंवासियों तक पहुंचा। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा, मुसीबत तथा कोई अनहोनी को न्यून करना प्रशसन का दायित्व है तथा प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने सभी परिवारों के किराये हेतु 3.84 लाख का एडवांस चैक मौके पर ही हस्तगत किया, जिसमें 4-4 हजार प्रति परिवार प्रतिमाह सभी परिवारों को सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने वर्षाकाल पूरे 3 महीनें तक रास्ता दुरस्ती हेतु क्षेत्र 24म7 मैनपावर मशीनरी तैनात रखने के निर्देश दिए। वहीं तहसीलदार विकासनगर को निर्देशित किया स्थानिकों की समस्या का

निवारण करने हेतु क्षेत्र में ही कैम्प लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया क्षेत्र में ग्रामवासियों का सहयोग लेकर अस्थायी हेलीपेड के लिए स्थान चिहिन्त करें जिससे गांव 15 दिन में अस्थायी हेलीपेड बनाया जा सके। वहीं एसडीएम विकासनगर को निर्देशित किया कि गर्भवती माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु एएनएम नियमित दौरा करेंगी।

जिलाधिकारी ने क्षेत्रवासियों से बच्चों को घर से स्कूल के लिए आवागमन न कराएं, स्कूल के नजदीक मकान किराये पर लेकर पठन - पाठन कराने का अनुरोध, 3 माह के लिए धनराशि चेक मौके पर ही हस्तगत कर दिया है। ग्रामीणों की मांग पर कोटी-बटोली रोड लोनिवि को सौंपने की कार्यवाही के साथ ही बटोली से थान गांव सड़क विकल्प पर लोनिवि को सर्वे के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने झुला पुल एवं स्थायी इंतजाम हेतु सचिव लोनिवि को पत्र प्रेषित किया गया है। वहीं 3.98 लाख लोनिवि को तात्कालिक सुधार हेतु मौके पर ही दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने मेडिकल आकस्मिकता के दृष्टिगत तात्कालिक अस्थाई व्यावस्था बनाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामवासियों की मांग पर 20 सोलर लाइट, डीएम ने अपने कौटे से मौके पर स्वीकृति देते हुए त्वरित कार्य कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने गुरुवार को विकास नगर तहसील अंतर्गत मिसराज पट्टी के सुदूरवर्ती गांव बटोली पहुंच कर आपदा प्रभावितों की समस्याएं सुनी। डीएम ने कहा कि आपादा प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाएगी। प्रभावित गांव के भ्रमण के दौरान सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर भी मौजूद थे। बताते चले कि बरसात के कारण कोटी-बटोली सडक शेरूखाला गदेरे में वास आउट होने के कारण बटोली गांव के करीब 32 परिवारों का संपर्क टूट गया है। यहां पर वैकल्पिक पैदल मार्ग भी बरसात के कारण बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहा है।

मा0 मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि शेरूखाला गदेरे में झूलापुल के निर्माण के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा दिया गया है। कहा कि यहां पर आवगमन समस्या का स्थायी समाधान के लिए सर्वे कराया जाएगा। उन्होंने तात्कालिक सुधारीकरण कार्यो के लिए लोनिवि को 3.98 लाख की धनराशी भी मौके पर स्वीकृत की। साथ ही ग्राम वासियों की थाना गांव से बटोली तक नए मोटर मार्ग निर्माण की मांग पर डीएम ने लोनिवि को शीघ्र सर्वे करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने गांव को जोड़ने वाले पैदल रास्ते को सुचारू रखने हेतु प्रभावित क्षेत्र में मैनपॉवर तैनात रखने और बरसात के कारण रास्त बंद होने पर तत्काल खोलने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन की ओर से आपदा प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने अलग-थलग पडे बटोली गांव के 32 परिवारों को बरसात के दौरान किराए में सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए 3.84 लाख की सहायता राशि भी स्वीकृत की। जिसमें प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 4-4 हजार की सहायता राशि तीन महीनों तक मिलेगी। सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को सलाह दी की खतरनाक बने रास्ते से बच्चों को प्रतिदिन स्कूल ना भेजें। ऐसा जोखिम ना लेकर बरसात में किराए पर सुरक्षित स्थान पर रहे और वही से बच्चों को स्कूल भेजा जाए।

स्वास्थ्य सुविधा के लिए जिलाधिकारी ने गांव में एएनएम के माध्यम से निर्धारित दिवस पर गांव का भ्रमण कर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। साथ गांव में डोली पालकी के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने की बात कही। जिलाधिकारी ने कहा कि जरूरत पडने पर गांव में एयर एम्बुलेंस सेवा भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने लोनिवि को गांव में हेली एम्बुलेंस के लिए स्थान चिन्हित कर शीघ्र इसके कोंडीनेट भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की मांग पर कोटी से बटोली तक मोटर मार्ग को लोनिवि को हैडओवर करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में सेलाकुई डिवीजन से आने वाली विद्युत लाइन जंगल में बार-बार टूटने से गांव में आए दिन बनी विद्युत की समस्या रहती है। उन्होंने कोटी गांव के ट्रॉस्फॉर्मर से विद्युत लाइन देने की मांग पर जिलाधिकारी ने कहा कि शीघ्र इस समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने तात्कालिक तौर पर गांव के लिए 20 सोलर लाइट की मौके पर ही स्वीकृति प्रदान की। सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने कहा कि जनता की सरकार, हर पल जनता के द्वार है। प्रभावित लोगों के साथ खडी है। प्रभावितों की समस्या का प्राथमिकता पर समाधान कराया जाएगा। गांव में बिजली, पानी, स्वास्थ्य सहित जरूरी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। शेरूखाला में वॉस आउट सड़क के स्थायी समाधान के लिए सर्वे कराया जा रहा है। ग्रामीणों की जो भी समस्याएं है उनका त्वरित निराकरण करने हेतु सभी प्रयास किए जाएंगे। आपदा प्रभावित गांव बटोली के निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा, एसडीएम विनोद कुमार, लोनिवि के अधिशासी अभियंता जीतेन्द्र तिवारी, तहसीलदार विवके राजौरी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ऋषभ कुमार, क्षेत्री जनप्रतिनिधि यशपाल नेगी, प्रवीण कुमार, सुनील ठाकुर सहित प्रभावित गांव बटोली के ग्रामीण मौजूद थे।

गंगोत्री धाम के तीर्थपुरोहितों ने किया पंचायत चुनाव का बहिष्कार

इंडिया वार्ता ब्यूरो

उत्तरकाशी । गंगोत्री धाम के तीर्थपुरोहित हर्षिल मुखबा जांगला मोटर मार्ग निर्माण की लंबे समय से मांग कर रहे हैं। इसके लिए तीर्थपुरोहितों ने मुखबा गांव में पंचायत चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी। इसके लिए मुखबा गांव में किसी ने भी पंचायत चुनाव में प्रधान सहित अन्य किसी पद के लिए नामांकन भी नहीं किया। इसी को देखते हुए गुरूवार को डीएम अधिकारियों के साथ मुखबा गांव पहुंचे। उन्होंने तीर्थपुरोहितों को जल्द ही मोटर मार्ग निर्माण का आश्वासन दिया।

बता दें कि तीर्थपुरोहित मुखबा-जांगला मोटर मार्ग के निर्माण की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। तीर्थपुरोहितों ने कहा सड़क का निर्माण चारधाम यात्रा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। साथ ही मार्ग के बनने से गांव के लोगों को भी फायदा होगा। उन्होंने कहा सड़क निर्माण की पैरवी पूर्व में सीडीएस । बिपिन रावत ने भी की थी। शीतकाल में गंगोत्री हाईवे पर अधिक बर्फ रहती है। इसलिए सेना की आवाजाही के लिए इस मोटर मार्ग का निर्माण भी आवश्यक है।

तीर्थ पुरोहित डॉ सत्येंद्र सेमवाल ने बताया मां गंगा की उत्सव डोली इसी पैदल मार्ग से गुजरती है। जिसे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क बन जाने से मां गंगा की उत्सव डोली को धूमधाम से बड़े स्तर पर आयोजन के साथ लाया और ले जाया जा सकता है। छह किमी लंबे इस मार्ग के निर्माण के लिए कई बार ग्रामीण विरोध दर्ज करा चुके हैं। उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है इसके लिए उन्होंने गांव में पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया है। गुरूवार को क्षेत्र के स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही सड़क की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य मुखबा गांव पहुंचे। इस संदर्भ में पूर्व में दिये गए निर्देशों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की। साथ ही उक्त मार्ग को लेकर गंगा मंदिर समिति और ग्रामीणों की समस्या को सुना। उन्होंने उनकी समस्या के जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने कहा यह मार्ग न केवल आवागमन की सुविधा से बल्कि क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक, सामरिक और आर्थिक विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी की ओर से राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद के हर्षिल, मुखवा, जांगला मोटर मार्ग निर्माण के लिए क्षतिपूरक वृक्षारोपण के लिए राज्य सरकार की भूमि उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। इसके संबंध में संबंधित अधिकारी से जांच कराकर सरकार के स्वामित्व की भूमि का चिन्हीकरण किये जाने को कहा। संबंधित विभागों से मार्ग निर्माण में आ रही बाधाओं का जल्द से जल्द निराकरण करने के लिये समन्वय बनाकर कार्य करने और पूरी परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

उत्तराखंड में लागू होगा गुजरात का सहकारिता मॉडल: डॉ. धन सिंह रावत

विभागीय अधिकारियों के साथ सहकारी संस्थानों का किया भ्रमण
पंचमहाल जिले में स्थानीय सहकारिता मॉडल की खूबियों को सराहा

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अहमदाबाद/देहरादून। उत्तराखंड के सहकारी बैंकों में ग्राहक सेवाओं में सुधार व विस्तार के लिये गुजरात के सहकारिता मॉडल का अनुसरण किया जायेगा, साथ ही बैंकों में डिजिटल प्रणाली का उपयोग कर उपभोक्ताओं को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं दी जायेगी। इसके अलावा गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की वसूली को भी ठोस रणनीति बनाई जायेगी।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुजरात दौरे के दौरान आज कई सहकारी संस्थानों का भ्रमण किया। जिसमें पंचमहाल जिला सहकारी बैंक, नेक्स्ट इकोनॉमिकल सर्विस कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड तथा आशापुरा छरिया मिल्क सोसाइटी शामिल है। डॉ. रावत ने पंचमहाल जिला सहकारी बैंक के मुख्यालय में बैंक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक ली। जिसमें वहां के अधिकारियों ने बैंक की कार्य-प्रणाली, ग्राहक सेवा सुधार एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं को लेकर पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण दिया। अधिकारियों ने बताया कि पंचमहाल जिला सहकारी बैंक 1955 में स्थापित किया गया था और विगत सात दशकों से क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर डॉ. रावत ने उत्तराखंड की सहकारी योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सहकारी बैंकों में ग्राहक सेवाओं में सुधार व विस्तार के लिये गुजरात मॉडल का अनुसरण किया जायेगा।

इसके पश्चात डॉ. रावत ने नेक्स्ट इकोनॉमिकल सर्विस कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड का दौरा किया। उन्होंने समिति की पूर्ण कंप्यूटरीकृत प्रणाली, महिला सहायता समूहों एवं कृषकों के सशक्तिकरण हेतु किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने आशापुरा छरिया मिल्क सोसाइटी का भी भ्रमण किया, जो स्थानीय पशुपालकों, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। डॉ. रावत ने इस दौरान पंचमहाल की सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड के डेयरी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर दुग्ध उत्पादन, संग्रहण, गुणवत्ता नियंत्रण व किसानों को उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने डेयरी क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों और पशुपालकों के सशक्तिकरण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। जिस पर डॉ. रावत ने सहकारी दुग्ध संघ की दुग्ध उत्पादन, संग्रहण, विपणन और पारदर्शी भुगतान व्यवस्था की सराहना की और कहा कि यह मॉडल उत्तराखंड के लिए भी अनुकरणीय है।

इस अवसर पर सचिव सहकारिता बीवीआरसी पुरुषोत्तम, निबंधक सहकारिता डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट, संयुक्त निबंधक नीरज बेलवाल, मंगला त्रिपाठी, प्रबंध निदेशक राज्य सहकारी बैंक उत्तराखंड प्रदीप मेहरोत्रा उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर माता और गुरुओं का मंत्री गणेश जोशी ने लिया आशीर्वाद

माँ और गुरु ही जीवन के वास्तविक पथप्रदर्शक

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज दिन की शुरुआत अपनी माता मोहनी जोशी का आशीर्वाद लेकर की और कहा कि "बच्चे की सबसे पहली गुरु उसकी माँ होती है। उन्होंने कहा कि जब एक शिशु जन्म लेकर दुनिया में आता है तो सबसे पहला शब्द जो उसके मुख से निकलता है, वह होता है – "माँ"। उन्होंने कहा, कि "माता न केवल जीवन देती है, बल्कि उसमें संस्कार, शिक्षा और प्रेरणा का बीजारोपण भी करती है। माँ ही बालक को जीवन की दिशा देती है, उसमें आत्मबल का संचार करती है।

इसके पश्चात मंत्री गणेश जोशी देहरादून कैंट विधायक सविता कपूर के इंद्रानगर स्थित आवास पहुंचे और अपनी गुरु माता सविता कपूर को नमन करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने इस अवसर पर अपने राजनीतिक जीवन के मार्गदर्शक एवं गुरु स्वर्गीय हरबंश कपूर को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि "आज मैं जो कुछ भी हूँ, वह अपने गुरु हरबंश कपूर और गुरु माता सविता कपूर जी की कृपा और मार्गदर्शन से ही हूँ। मंत्री जोशी ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह परंपरा हमें केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि जीवन जीने की दिशा और दृष्टि भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि "गुरुजन हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं और हमें समाज व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आह्वान किया कि हम सभी अपने जीवन में गुरुओं द्वारा दिए गए ज्ञान और मूल्यों को आत्मसात कर आगे बढ़ें तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

कैंचीधाम मंदिर ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में प्रदान की गयी 2.5 करोड़ की धनराशि

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंची धाम मन्दिर ट्रस्ट द्वारा प्रदेश में आपदा पीड़ित परिवारों को मदद के लिये मुख्यमंत्री राहत कोष में 2.50 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम मन्दिर ट्रस्ट द्वारा आपदा पीड़ितों की मदद के साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया जाने वाला सहयोग मानवता की बड़ी सेवा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम में प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत यातायात की सुगमता के लिये कैंची धाम बाईपास के लिए वन भूमि प्रस्ताव को केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने के बाद उक्त सड़क का तेजी से निर्माण किया जा सकेगा, जिससे क्षेत्रीय लोगों एवं पर्यटकों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी साथ ही कैंची धाम और भवाली के पास लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये अन्य कई योजनायें भी क्रियान्वित की जा रही हैं। ज्ञातव्य है कि गुरुपूर्णिमा के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध कैंचीधाम मंदिर में आयोजित एक सूक्ष्म कार्यक्रम में मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावित परिवारों को मदद प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक मदद हेतु 2.5 करोड़ (ढाई करोड़) की धनराशि का चैक जिले की मुख्य विकास अधिकारी अनामिका को प्रदान किया गया। कैंचीधाम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ओमप्रकाश बिंद्रा ने कहा कि कैंची धाम मंदिर ट्रस्ट सामाजिक क्षेत्र में लंबे समय से कार्य व योगदान करते आ रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट द्वारा शिक्षा स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन इन क्षेत्रों में हर संभव सहयोग किया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष 3000 बच्चों को दी जा रही छात्रवृत्ति को बढ़ाकर 5000 किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से कैंची धाम मंदिर ट्रस्ट द्वारा मुख्य रूप से शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विगत 15 जून को आयोजित कैंची धाम मंदिर स्थापना दिवस को सफलतापूर्वक संपन्न कराए जाने हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा जिला प्रशासन का सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया है।